Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

A special lecture on 'Ethics with respect to Science and Research'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 06-12-2022**

व्याख्यान

विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता पर विशेषज्ञ व्याख्यान

शोधकर्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं नैतिक मानदंड

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता विषय पर आधारित इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति ने अनुसंधान नैतिकता, मेट्रिक्स, वैज्ञानिक आचरण और प्रकाशन कदाचार से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुसंधान नैतिकता में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण करने और उनका समाधान करने के लिए अपनाएं जाने वाले तरीकों से शोधार्थियों को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने शोध में नैतिकता के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

हकेंवि में शोधार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अनुसंधान कार्य में विभिन्न विषयों और संस्थानों के लोगों के बीच सहयोग और समन्वय शामिल होता है इसलिए नैतिक मानक उन मूल्यों को बढ़ावा देते हैं जो सहयोगी कार्य निष्पक्षता के लिए आवश्यक हैं। नैतिक मानदंड शोधकर्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। कुलपति ने शोधार्थियों के प्रश्नों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम की विशेषताओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कार्यक्रम का समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि अनुसंधान में नैतिकता की कमी किस तरह से आमजन के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ व्याख्यान में विभिन्न विभागों के 150 शोधार्थियों ने सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 06-12-2022**

हकेवि में विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़ | हकेवि के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता विषय पर आधारित इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति ने अनुसंधान नैतिकता, मेट्रिक्स, वैज्ञानिक आचरण और प्रकाशन कदाचार से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं पर चर्चा की।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुसंधान नैतिकता में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण करने और उनका समाधान करने के लिए अपनाएं जाने वाले तरीकों से शोधार्थियों को अवगत कराया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अनुसंधान कार्य में विभिन्न विषयों और संस्थानों के लोगों के बीच सहयोग और समन्वय शामिल होता है, इसलिए नैतिक मानक उन मूल्यों को बढ़ावा देते हैं जो सहयोगी कार्य निष्पक्षता के लिए आवश्यक हैं। नैतिक मानदंड शोधकर्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। कुलपति ने शोधार्थियों के प्रश्नों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया।

पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम की विशेषताओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि अनुसंधान में नैतिकता की कमी किस तरह से आमजन के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। अंत में विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ व्याख्यान में 150 शोधार्थियों ने सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षो, शिक्षकों, अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 06-12-2022**

अनुसंधान कार्य में सहयोग और समन्वय जरूरी

- हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ व्याख्यान का हुआ आयोजन
- कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शोधार्थियों को किया संबोधित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़.: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विज्ञान और अनुसंधान के परिपेक्ष्य में नैतिकता विषय पर आधारित इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति ने अनुसंधान नैतिकता, मेट्रिक्स, वैज्ञानिक आचरण और प्रकाशन कदाचार से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की।

इस विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुसंधान नैतिकता में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण करने और उनका समाधान करने के लिए अपनाए जाने वाले तरीकों से शोधार्थियों को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने शोध में नैतिकता के महत्त्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

शोधार्थियों को संबोधित करते हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अनुसंधान कार्य में विभिन्न विषयों और संस्थानों के लोगों के बीच सहयोग और समन्वय शामिल होता है, इसलिए नैतिक मानक उन मूल्यों को बढ़ावा देते हैं जो सहयोगी कार्य निष्पक्षता के लिए आवश्यक हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नैतिक मानदंड शोधकर्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। कुलपति ने शोधार्थियों के प्रश्नों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डा. संतोष सीएच ने प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम की विशेषताओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कार्यक्रम का समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डा. विनीता मलिक ने बताया कि अनुसंधान में नैतिकता की कमी किस तरह से आमजन के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डा. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ व्याख्यान में विभिन्न विभागों के 150 शोधार्थियों ने सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षो, शिक्षकों, अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 06-12-2022**

हकेंवि में विज्ञान व अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता पर व्याख्यान

कुलपति ने शोधार्थियों के प्रश्नों का दिया जवाब

- व्याख्यान में विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता विषय पर आधारित इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विशेषज्ञ के रूप में

महेंद्रगढ़। शोधार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। फोटो: हरिभूमि

उपस्थित रहे। कुलपति ने अनुसंधान नैतिकता, मेट्रिक्स, वैज्ञानिक आचरण और प्रकाशन कदाचार से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुसंधान नैतिकता में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण करने और उनका समाधान करने के लिए अपनाएं जाने वाले तरीकों से शोधार्थियों को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने शोध में नैतिकता के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अनुसंधान कार्य में विभिन्न विषयों और संस्थानों के लोगों के बीच सहयोग और समन्वय शामिल होता है, इसलिए नैतिक मानक उन मूल्यों को बढ़ावा देते हैं, जो सहयोगी कार्य निष्पक्षता के लिए आवश्यक हैं। नैतिक मानदंड शोधकर्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। कुलपति ने शोधार्थियों के प्रश्नों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम की विशेषताओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि अनुसंधान में नैतिकता की कमी किस तरह से आमजन के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। विवि के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ व्याख्यान में 150 शोधार्थियों ने सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षो, शिक्षकों, अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 06-12-2022**

हकेंवि में विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़, 5 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता विषय पर आधारित इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति ने अनुसंधान नैतिकता, मैट्रिक्स, वैज्ञानिक आचरण और प्रकाशन कदाचार से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-4 में आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुसंधान नैतिकता में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण करने और उनका समाधान करने के लिए अपनाए जाने वाले तरीकों से शोधार्थियों को अवगत करवाया। साथ ही उन्होंने शोध में

शोधार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

नैतिकता के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अनुसंधान कार्य में विभिन्न विषयों और संस्थानों के लोगों के बीच सहयोग और समन्वय शामिल होता है, इसलिए नैतिक मानक उन मूल्यों को बढ़ावा देते हैं जो सहयोगी कार्य निष्पक्षता के लिए आवश्यक हैं। नैतिक मानदंड शोधकर्त्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। कुलपति ने शोधार्थियों के प्रश्नों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम की विशेषताओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कार्यक्रम का समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि अनुसंधान में नैतिकता की कमी किस तरह से आमजन के लिए नुक्सानदेह साबित हो सकती है।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ व्याख्यान में विभिन्न विभागों के 150 शोधार्थियों ने सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षो, शिक्षकों, अधिकारियों ने हिस्सा लिया।